22-03-2023

आहार 2023

समाचार पत्रों में क्यों?

37वां अंतरराष्ट्रीय खाद्य और आथित्य मेला 'आहार 2023' संस्करण प्रगति मैदान, नई दिल्ली (14-18 मार्च, 2023) में शुरू हो चुका है।

त्वरित मुद्दा?

- आहार 2023 केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA), भारत व्यापार संवर्धन संगठन' और अन्य निकायों के सहयोग से आयोजित किया गया, जो आतिथ्य क्षेत्र की क्षमता का अनावरण करने और घरेलू स्तर पर प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- आहार भारत का सबसे बड़ा चार दिवसीय पाक कला शो है जहां होटल व्यवसायी और रेस्तरां मालिक, कैटरर्स और वितरक पाक, आतिथ्य और उपकरणों में सर्वश्रेष्ठ स्रोत के लिए आते हैं और बाजार के रुझान का भी पता लगाते हैं।
- आहार को 3 प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है
  1. खाद्य क्षेत्र
  2. एफएंडबी उपकरण क्षेत्र (तैयारी / प्रसंस्करण / पैकेजिंग)
  3. आतिथ्य और सजावट क्षेत्र

- इस वर्ष भारत और विदेश के डब्ल्यूएसीएस-प्रमाणित जूरी सदस्य भी मेले के मुख्य कार्यक्रम, क्यूलिनरी आर्ट इंडिया में 500 से अधिक शेफ की दक्षता का न्याय करेंगे। जहां प्रमुख शेफ अपने कुछ बेहतरीन व्यंजनों का प्रदर्शन करेंगे, वहीं अन्य को अपनी विशेषज्ञता और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।
- दिल्ली के प्रगति मैदान में इस मेले में प्रवेश के लिए एक दिन के टिकट का दाम 300 रुपये रखा गया है और पूरे सीजन यानी पांच दिवसीय इस मेले के लिए टिकट का दाम एक व्यक्ति के लिए 1000 रुपये निर्धारित किया गया है।

- किसी भी देश के पर्यटन उद्योग में अच्छे खान-पान की बड़ी भूमिका होती है।
- ऐसे में दिल्ली में होटल-रेस्टोरेंट इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'आहार मेले' का आयोजन महत्त्वपूर्ण है।
- इसमें 18 देशों की करीब 1500 नामचीन कंपनियां शामिल हो रही हैं।
- इस प्रकार आहार मेले का उद्देश्य होटल उद्योग और पर्यटन क्षेत्र को दिल्ली-एनसीआर समेत अन्य जगहों में बढ़ावा देना बताया जा रहा है।

श्री अन्न योजना

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने श्री अन्न यानी मोटे अनाज के 30 प्रमुख आयातक देशों का लिस्ट जारी किया है ताकि वहां मोटे अनाजों का निर्यात किया जा सके।

त्वरित मुद्दा?

- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने 1 फरवरी, 2023 को बजट पेश करते समय 'श्री अन्न योजना' (Shree Anna Yojana) का जिक्र किया था। जिसके तहत देश में श्री अन्न की पैदावार और खपत को बढ़ाने के लिए सरकार कार्य करेगी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- श्री अन्न के अंतर्गत मुख्य रूप से ज्वार, बाजरा, रागी, सांवा, कंगनी, चीना, कोदो, कुटकी और कुट्टू के दानों आदि को शामिल किया जाता है। ये अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र ने भी भारत के प्रस्ताव पर साल 2023 को "इंटरनेशनल मिलेट ईयर" के रूप में घोषित किया है। इसलिए सरकार विशेष रूप से इनके उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है।
- भारत सरकार ने सन् 2018 से 'राष्ट्रीय मिलेट्स ईयर' घोषित किया था।
- हैदराबाद स्थित बाजरा अनुसंधान केन्द्र से चौदह राज्यों को 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिशन मिलेट्स रिसर्च' से सहायता मिल रही है।
- केन्द्रीय बजट के अनुसार, भारत को 'श्री अन्न' के लिए वैश्विक केन्द्र बनाने के उद्देश्य से हैदराबाद के भारतीय मोटा अनाज अनुसंधान संस्थान को उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा,जिससे यह संस्थान सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों, अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा कर सके।

- हाल ही में कृषि मंत्रालय ने "मिलेट्स फूड फेस्टिवल" का भी आयोजन किया था, जिसमें बहुत सारे मंत्रियों और सांसदों ने हिस्सा लिया था।
- ये मोटे अनाज 'ग्लूटेन फ्री' और 'ग्लाइसेमिक फ्री' है। इस वजह से ये मधुमेह और हृदय रोगियों के भोजन के लिए खासकर मुफीद है।
- बाजरा सहित कई अन्य मोटे अनाजों का उत्पादन भारत में दुनिया में सबसे अधिक होता है ऐसे में इनके निर्यात से APEDA देश के किसानों की आय दोगुना का लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयास कर रहा है।
- इस प्रकार श्री अन्न योजना कृषि को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था एवम रोजगार सृजन जैसे मुद्दों को हल करने में सहायक साबित होगा।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस

समाचार पत्रों में क्यों?

विश्व वानिकी दिवस या अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस दुनिया भर में हर साल 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है।

त्वरित मुद्दा?

- खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के सम्मेलन के 16वें सत्र ने 1971 में "विश्व वानिकी दिवस" के लिए अपना मत दिया। तब सेंटर फॉर इंटरनेशनल फॉरेस्ट्री रिसर्च (CIFOR) ने 2007 से 2012 तक छह वन दिवस आयोजित किए। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 28 नवंबर, 2013 को 21 मार्च को "अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस" के रूप में मनाने की घोषणा कर दी, तब से इसे 21 मार्च को मनाया जाने लगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- दुनिया के लोगों को हमारे जीवन में वनों के महत्व और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के बारे में शिक्षित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इसलिए हर साल इस विशेष दिन को , चिह्नित करने के लिए विभिन्न देशों में विभिन्न कार्यक्रम और समारोह आयोजित किए जाते हैं।
- इस दिन देशों को वृक्षारोपण अभियानों जैसे वनों और पेड़ों से जुड़ी स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों को आयोजित करने के प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस दिन हम वनों के अस्तित्व को बढ़ावा देकर यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी तंत्र और प्रजातियां भी फलती-फूलती रहें।
- विश्व वानिकी दिवस के लिए साल 2023 की थीम 'वन्यजीव संरक्षण के लिए साझेदारी' रखी गई है।
- "विश्व के वनों की स्थिति (2022) " पर एफएओ (FAO) की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है। कि वन पृथ्वी की 31% भूमि की सतह को कवर करते हैं, लेकिन यह क्षेत्र सिकुड़ रहा है, 1990 और 2020 के बीच वनों की कटाई के कारण 420 मिलियन हेक्टेयर वनों का नुकसान हुआ है।

- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाए गए 'सतत विकास लक्ष्यों' (SDGs) के 2030 एजेंडा, विशेष रूप से SDG 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण) और SDG 15 (भूमि पर जीवन) के साथ संरेखित किया गया।
- FAO के अनुसार, वन वैश्विक महत्व के हैं। वन 80% उभयचर प्रजातियों, 68% स्तनपायी प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं। कुल वन क्षेत्र का 18% से अधिक कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों में है। फिर भी, वनों की कटाई और वन क्षरण से वन जैव विविधता खतरे में है।
- जंगलों और बीमारी के बीच एक संभावित दीर्घकालिक संबंध है। 1960 के बाद से 30% से अधिक नई बीमारियों का श्रेय वनों की कटाई सहित भूमि उपयोग परिवर्तन को दिया जाता है, और 250 उभरती संक्रामक बीमारियों में से 15% जंगलों से जुड़ी हुई हैं।
- विश्व के वनों की स्थिति पर एफएओ की रिपोर्ट (2022) स्थानीय से वैश्विक चुनौतियों से निपटने के साधन के रूप में तीन वन आधारित मार्गों का सुझाव देती है- पहला, वनों की कटाई को रोकना और वनों को बनाए रखनाः दूसरा, बंजर भूमि को बहाल करना और कृषि वानिकी का विस्तार करनाय और अंत में अभी तक महत्वपूर्ण, स्थायी रूप से वनों का उपयोग करना और हरित मूल्य श्रृंखला का निर्माण करना।
- भारत सरकार ने लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (एलआईएफई), या Mission LiFE पर एक वैश्विक आंदोलन शुरू किया है। यह पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए व्यक्गित और सामूहिक कार्रवाई करने के लिए कम से कम एक अरब भारतीयों और अन्य वैश्विक नागरिकों को जुटाने के उद्देश्य से बनाया गया है। भारत में, सभी गांवों और शहरी स्थानीय निकायों के कम से कम 80% को 2028 तक पर्यावरण के अनुकूल बनाने का इरादा है।
- भारत के आर्थिक सर्वेक्षण (2022-23) के अनुसार, भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) के मात्रत्मक लक्ष्यों में से एक 2030 तक अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण के माधयम से 2.5 बिलियन से 3.0 बिलियन टन का अतिरिक्त कार्बन सिंक प्राप्त करना है। देश 2010 और 2020 के बीच औसत वार्षिक वन क्षेत्र में शुद्ध लाभ के संबंध में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है।